

NG 3117131

# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 21]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 30, 1981/वयेष्ठ 9, 1903

No 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 1931/JYAISTHA 9, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (iii)

PART II-Section 3-Sub-section (iii)

(संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आवेश

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1981

आ० अ० 383—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधानसभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 107-काल्माबाजी निर्वाचन-कीन्न से च्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुरलीवर राध, स्थान/पी० काल्पाबाजी जिला बोलंगीर (उड़ीमा) नोक प्रतिनिधित्य श्रिधिनियम, 1951 मथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षिस अपने निर्वाचन व्ययो का नोई भी लेखा दाखिल एरने में प्रमकत रहे हैं:

भीर, यतः, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी भ्रथती उस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथता स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कीई प्रयोग्न कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

श्रतः श्रमः अभा अधिनियमं की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एत्रवृह्वारा उक्त श्री मुग्लीधर राय की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान संभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेण की भारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करना है।

[मं० उद्दीमा-वि० म०/107/80(11)]

#### **ELECTION COMMISSION OF INDIA**

**ORDERS** 

New Delhi, the 10th March, 1981

O.N. 383.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Muralidhar Rai,  $\Delta t/P.O.$  Kantabanii, District Bolangir (Orissa), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 107-Khantabanji constitutency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People  $\Delta ct$ , 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Murlidhar Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-I A/107/80 (11)]

आं आं 384.——यनः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1981 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 107-कान्ताबांजी निर्वाचन-केन्न से चूनाय लड़ने बाने उम्मीवकार श्री जिसरंजन कुमार, ग्राम बंगोमण्डा जिना बोलंगीर (उद्योग), लोक

प्रोक्तिक प्रिक्तिका 1951 स्मान्या प्राप्ता हारा अपेक्षित प्रक्ते निर्वाचा व्ययो का कोई भी लेखा दाखित करने में प्रश्कत रहे है;

श्रीर, यत., उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्वध्टीकरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः यब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री चित्तरजन कुमार को मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश के तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शहत घोषित करना है।

[स॰ उड़ीमा-नि॰ स॰/107/80(12)]

O.N. 384.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chittranjan Kumar, Vill. Bangomunda P.O. Bangomunda, District Bolangir (Orissa), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 107-Kantabanji con tituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chittranian Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Asssembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/107/80(12)]

#### नई दिल्ली, 17 मार्च, 1981

आं जा 385 यत:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 119-गोंडिया निर्वाचन कील से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रो क्षेत्रबसी माह, ग्राम तथा पो० बालादियाबन्ध, जिला धेनकनाल (उडीसा), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए निय्मों द्वारा इपेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्यय का कोई भी लेख। दाखिल करने में ग्रामफन रहे है ,

श्रीर. यत, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक् च्वना विये जाने पर भी अपनीइस श्रसफलता के लिए कोई काण्ण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं िया है, श्रीर निर्वाचन ग्रथोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री क्षेत्रबसी साहू को संभद के किसा भा भदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रार होने के लिए इस आदेश को तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उडीमा-वि० स०/119/80(17)]

#### New Delhi, the 17th March, 1981

O.N. 385.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khatrabasi Sahoo, Vill. and P. O. Baladiabandha. District Dhenkanal (Orissa), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May. 1980, from 119-Gondia constituency, has failed to lodge

an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khetrabasi Sahoo to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/119/80 (17)]

## नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

आा०अ० 386.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचीन के लिए 18-देवगढ़ निर्वाचनक्षेत्र के चुनाव लड़ने वाते उम्मीदवार थी भीममेन भोई, ग्राम पो० कुचिन्दा जिला सम्बलपुर (उडीमा), लोक प्रनिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नि मों द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा टाखिल करने में श्रसकल रहें हैं ,

ग्रीर यत , उत्रन उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् भूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस ग्रमफलरा के लिए कोई कारण ग्रथका स्टिटीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचिन्य नहीं है,

श्रतः थव, उत्तन क्रिंतितम की धारा 10-क के श्रनुक्रण में निर्वाचन हायोग एनद्द्वारा उद्दार्थ के निर्वाचन के दे तो मनद के किसी भार सदन के या किन राज्य का विधानसभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रार होन के एए इस श्रादेण की तार्रख से तीन वर्ष की कालावधि के निए निर्शह, घोषिन करता है।

[म॰ उड़ीस.-ला॰ स॰/18/80(3)]

#### New Delhi, the 31st March, 1981

O.N. 386.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhimsen Bhoi, Val. and P. O. Kuchinda, District Shambalpur (O.issa), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980, from 18-Deogarh constituency, has feeled to lodge an account of his election expenses at as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thercunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhimsen Bhoi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legi lative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-HP/18/80 (3)]

### नई दिल्ली, 8 मर्ड, 1981

आं अं 387.-थतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि ग्रक्तूबर, 1979 में हुए सिक्किम विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 13 डामथांग निर्वाचन केल हे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चितमन राय, पो० ग्रा० नामची (सिक्किम) लोक प्रतिनिधित्व ग्रधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमो हारा ग्रपेक्षित समय के श्रन्दर तथा रीति से श्रपने निर्वाचन ब्यायों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे है ,

ग्रीः, याः उका उम्मीदवार द्वारा दिये गये श्रस्थावेदत पर विचार करने के पश्चान्, निर्वाचन श्रामांग का यह भी सम्पन्नान हो गया है कि उसके पास इन श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या साथीजित्य नहीं है ;

श्री श्राबं, उत्तर श्रीजित्यम की छारा 10-क के ब्रतुमण्या में निर्धातन आयाग एतक्कारा उक्त श्री जितमन राय का मंसद के जिसी भी सदस् के या किसी राज्य को विधान सनत श्रीवंत विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर हाते के निए द्व प्राराग का नारीकामें तीन बप की कानाविध के निए निर्दित वोसिन करा। है।

> [म० ७६/मिक्षितम-वि० म०/13/80] धार्दण में, सत्तोग चंद्र जैन, अवर मन्त्र, भारत निर्धाचन धारोप

# New Delhi, the 8th May, 1981

O.N. 387.—Whoreas the Election Commission is satisfied that Shri Chitman Rai, P. O. Namchi (Sikkim), a contesting candidate for general election to the Sikkim Legislative Assembly held in October, 1979 from 13-Damthang constitueity has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Flection Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Chitman Rai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/SKM-J.A/13/80]

By Order,
S. C. JAIN, under Secy.

Llection Commission of India

# पा देश

# नई बिरुली, 24 यप्रैल, 1981

भा० प्र. 388. --- यन, निर्वाचन प्रापंता का समाधान हो गया है कि महे, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश पियान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40%-मुजफरनगर निर्वाचन क्षेत्र से भुनान लड़ने वाले उम्भीववार श्री देवेन्द्र कुमार, अनुगुरी, मुजफरनगर, उत्तर प्रदेश, लाक प्रांतिशित्य अधिनियम, 1951 तथा सद्धीम बनाए गए नियमों द्वारा अभेकिन अपने नियचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखान करने में असकत रहे हैं ,

भीर यतः, जन्न जम्मीबद्धार ने, सम्यक सूचना टिए जाने गर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथका स्पट्टीकरण नहीं विधा है श्रीर निर्वाचन श्रामांग का यह सक्षाधान हो गया है कि उसके पाग इस भ्रमकतना के लिए कोई एर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है ,

प्रतः प्रव, जर्मन प्रधिनियम को धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्शावन श्रीयोग एनद्वारा जम्म श्री देखेन्द्र कुनार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रधन्न विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर हाने वा लिए इस प्रारंश की नार्यक्र से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषिल करना है।

[सं॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/408/80(154)]

#### **ORDERS**

New Delhi, the 24th April, 1981

O.N. 388.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devendra Kumar, Brahampuri, Muzaffarnagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Devendra Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80 (154)]

प्रा० प्र० 389—याः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 408-मूंजपकरनगर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने धाले उम्भीदवार श्री मुजपकर हुसैन, 75-शहमपुरी मृजपकरनगर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वास्तिल करने में असफल रहे हैं ,

ग्रीर यत, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सुचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रमभास्पण्टीकरण नहीं विया है। श्रीर निर्वादन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, जनत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन शायोग एतव्ह्यारा उक्त श्री मुजफ्फर हुसैन को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा श्रवंश विधान परिषव् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की सारीख से तीन धर्य की कालाविध के लिए निरिद्धित घोषित करता हैं।

[सं० उ०प्र०-वि०प०/408/80(155)[

O.N. 389.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Muzaffar Hussain. 75, Brahampuri, Muzaffarnagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an accoun of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Muzasar Hussain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80(155)]

द्याः भाव 390. — धतः निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश थियान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 408-मुजक्फ नगर निर्वाचन के ले चुनाव लड़ने वाले उम्म दशार श्री मास्क अली, ग्राम व वाल पुगहु, जिला मुजक्फरनगर, (उ० प्र०), लेक प्रिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्शीन बनाए गए नियमों हारा स्रदेशित अपने निर्वाचन व्ययों का काई भो लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ग्रीर थत., उन्स उम्मीद्यार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पर्धीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्धाचन श्रायोग का यह समाधान हो। गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्स नहीं है,

ग्रतः अब, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 10 क के श्रनुसरण में निर्याचन भायोग एतव्हार। उक्त श्री माइफ श्राली की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अयश विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रीदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[মৃত্যুত বিত নৃত/108/80(155)]

O.N. 390.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Maruf Ali, Village & P. O. Sugha, Distt. Muzaffarnagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maruf Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80 (156)]

प्राः प्र.391. -- यहः, निविधन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विश्वान सभा के लिए साधारण निविध्य के लिए 108-मुअपफरनगर निविध्य के से चुनाव लड़ने वाले उन्मीवयार श्री महेन्द्र कुमार, 73-मी, मई मडी, मुअपफरनगर (उ० प्र०), मंक प्रतिविध्यत प्रीधितयम, 1951 तथा बंद्धीम बनाए गए नियमों दक्षारा प्रपेक्षित प्रपने निविध्य व्ययों का कोई भी विद्या दाखिल करने में प्रश्चार रहे हैं;

श्रीर भतः, अन अन्मीदबार ने, सम्यक् सूनना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा राष्ट्रीकरण नहीं दिया है श्रीर भिक्किन श्रायोग का यह समाधास हो गया है कि उसके पास देस श्रमकलता के लिए कोई प्रान्ति कारण या स्यायोकित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठित्यमं की धारा 10-क से श्रतुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री सहेन्द्र कुमार की संसव के किमी भी सदन के या किनो राज्य की विज्ञान सना श्रवण विश्वात परिषद् से सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्म्हत श्रीपत करता है।

[स॰ उ०प्र०वि०म०-408/80(157)]

O.N. 391.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahakadra Kumar, 72-C, New Mandi, Muzusfarnagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required

by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahendra Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Purliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA|408|80(157)]

ग्रा० ग्र०392 ---यम, निर्वाचन ग्रासोस का समाधान हो स्या है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विज्ञान समा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 10 रस्तुजनकरनार निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद्यार और णकील शहनद, 35-वाशायार, मुजयकरनसर (उ० प्र०), लाक प्रतिनिधन्य श्रितियम, 1951 तथा सद्भीन बनाए गए नियमो हारा श्रेपेक्षित श्रिपेन निर्याचन व्ययो का ग्रीडिभी लेखा दाखिल करने में श्रमकल स्वे के

श्रीर यत , उस्त उम्मीदियार ने, सम्यक सूचना विए जाते पर भी, हम असकत्ता के जिए काई कारण अध्या राज्यीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो तया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पंत्रीप्त कारण यो न्यायीवित्य नहीं है ;

श्रमः अब, उदा श्रीधिष्यभ की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा उदन श्री एकील श्रहमद को मंसद के किसी भी सक्त के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादण की नारीख में नीन यर्ष की सालावधि के लिए निर्दाहन घोषिन करना है।

[মৃ০ ৪০ স্০-বি০ মৃ০/40৪/৪৪(15৪]

O.N. 392.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shakil Ahmed, 35-Khalapar, Muzaflamagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaflamagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Repie entation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi' Shakil Ahmed to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80(158)]

प्रा० प्र.0393.—यन, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 408-मुजफरनगर निर्वाचन केल में चुनाव लड़ने वाल उम्मीववार श्री णियनारायन, 192-हुंडणापुरी, मुजफरनगर (उ० प्र०), लोब प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए एए नियमों द्वारा अमेकिन प्रदन निर्वाचन व्यक्षों का कोई भी लेखा वाल्यन करने में श्रमफल रहें हैं;

श्रीर यतः, जनग अम्मीद्यार ने, सम्यक मुक्ता किए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अश्रम रपष्टीपरण नहीं दिया है और निर्वाकन श्रामोण को यह समाधान हो गया है कि उसके पास उस श्रमफलन। के लिए कोई कारण या न्यायौक्तिय नहीं है ; ; श्रत श्रम, उसन श्रीधितियम की धारा 10-क के श्रनुकरण में निर्वाचक आयोग एत्युद्वारा उस्त श्री शियनारायण की समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वास सभा अथवा प्रिश्रात परिषय के सदस्य चुने जाने श्रीर हाने के लिए इस श्राप्तण की तारी ख में सील वर्ष की कालाबाध के लिए किसीहन घाषिक करना है ।

[মৃ০ ওত্যত-ধি০ নৃ০/408/80(159)]

O.N. 393.—Whereas the Election Commission is satisfied that Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiv Narain, 122-Krishnapuri, Muzaffarnagar (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 409-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And Whoreas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, Therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shiv Narain to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80 (159)]

नई दिल्ली, 28 धर्मल, 1981

आ। अ० 394 — यता, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 418-सहारतपुर निर्वाचन कोत्र से जुनाब लड़ने बाल उम्मीयवार की कैलाश, मीठ जातियान, महारनपुर, (३० प्र०), लोक प्रतिनिधित अधिनियम, 1951 नणा नद्धीम बनाए भए नियमो द्वारा ध्रेपित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसक्त रहे हैं —

श्रीर यतः, उनन अमित्यवार ने, सम्यक सूक्षना विए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पर्स्टकरण नही विया है श्रीर मिर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोखित्य नहीं है ;

श्रभः श्रवः, उसन श्रधिभियमं की धारा 10-क के श्रमुभरण में निर्वाचन आयोग एमदहारा उक्त श्री कैशांश को समय के किसी भी सबन के या किसी रज्य की विधान सभा श्रथका विधान परिषद् के सदस्य कुने जाने और होने के लिए इस श्रादेण की नारीका से मीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहित बोधिन करना है।

[মত উ০স্থত-ছিত্মত/118/90(178)]

New Delhi, the 28th April, 1981

O.N. 394.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kadash, Mohalla-Khatriyan, Saharanpuur, (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kailash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. UP-LA/418/80 (178)]

बार अ०395 — यतः, निर्वाचन प्रायोगं वा समाधान है। गया है कि गई., 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 418-महारनपुर निर्वाचन क्षेत्र से बुनाव लड़ने वाले उम्मीवकार श्री खर्णाक प्रहमद, मीर हिमामुई.न, सहारनपुर (७० ५०), लाक प्रतिनिधिय प्रधितियम, 1951 नथा नव्धीन प्रनाय गए नियमो हारा प्रपेक्षित प्रथन निर्वाचन व्ययो का काई भी नेका दाखिल करने में असफल रहे हैं:

र्यार यतः, उक्त उम्मीदवार ने, गम्यक् भूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसक्तिना के लिए कोई कारण प्रथवा क्षटीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोगका यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकतना के लिए काई पर्योद्य कारण या न्यासीचित्रम नहीं है ,

श्राः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुम्रण में निर्वाचन श्रायोध एतव्द्वारा उक्त श्री खर्लक श्रष्टमद को संसद को किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा अथवा विद्यान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्वाहन धोषिस करता है।

[ন০ ও০স০-বি০শ০/415/80(179)]

O.N. 395.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khaliq Ahmd, Mohalla-Hisamuddin, Saharanpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, Therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khaliq Ahmed to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No: UP-LA/418/80 (179)]

आ० अ०396. — यदा, निर्वाचन श्रायोध का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 418-सहारमपुर विविध्यन केन्न से चुनाथ लड़ने वाल उम्मीदवार थी चांद मियां, पो० लक्की गेट, सहारनपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिसिधित अपनि स्थानियम, 1951 नथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रेपेक्षित अपनि सिर्वाचन व्ययों का कोई भी लिखा वाखिल जरने में श्रमकल रहे है ;

घोर यतः, उक्त अम्मीव्यय ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निविधन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अभफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उनतं श्रिधिनियमं की धारा 10-क के श्रमुक्ररण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उनतं श्री चाद मिया को संसद के किसी भी सदस के या किसी राज्य की विधान मभा श्रयंशा विश्वान परिषद् के सदस्य जुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख के तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माटन घोषिन करना है।

[मं० ४० प्र०-विष्मु०/418/80(180)]

O.N. 396.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Chand Mian, Mohalla-Lakkhi Gite, Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980

from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Chand Mian to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/418/80 (180)]

आंव अव 397.—यनः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के किए साधारण निर्वाचन के लिए से 18-सहारनपुर निर्वाचन के लिए प्रति करेंग चन्द्र, हरसाधसुरा, सहारमपुर (उ० प्रव). लील प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा त्रद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेकिन ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे है ;

श्रीर चतः, उदन उन्मीदबार ते, मन्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पब्दीकरण नहीं विया हैं और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं हैं;

मत. म्रज, उक्त मधिनियम की घाणा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भागीय एतद्वारा उक्त श्री नरेण चन्द्र की संमद्र के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधास सभा प्रथमा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस माने म की सारीच से तीम वर्ष की कालामधि के लिए निरहित मोबिन करना है।

[मं० उ० प्र०-वि०संब/418/80(181)]

O.N. 397.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Naresh Chand, Harnathsura, Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And Whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Naresh Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/418/80 (181)]

आ०अ० 398---: यत:, निर्धाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में ब्रुए उत्तर प्रदेश विधान सभा ने लिए साधारण निर्वाचन के लिए 418-सहारनपुर निर्धाचन केल में चुनाव लड़ने वाले उस्मीवधार श्री कित्रय कुमार, जैन माकिट, कोर्ट रोड, महारनपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेषेक्षित प्रपने निर्याचन क्यों का कोर्ट भी लेखा वाखिल करने में श्रमक्ष रहें हैं ;

और यभ, अक्ष्य उन्मीववार ने, सम्यक् सुचना विष् जाने पर भी इस प्रयोजनता के लिए काई कारण प्रथय स्वटीकरण नहीं विया है और, निर्याचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान उस प्रमफनना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोभिन्य नहीं है : भतः भवः उका अधिनियमं की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भागांग एनद्द्वारा उका श्री दिखय कुमार को समद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान तमा भवता किमा परिषद् के मदस्य चुने जाने और प्राप्त के किलए इस भादेण की तारीखारी तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहत घोषिन करका है।

[শ্ৰু উ০ স্থানিত শ্ৰ/418/80(182)]

O.N. 398.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrl Vijay Kumar, Jain Market, Court Road, Saharan-pur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commision is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijay Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/418/80 (182)]

नई दिल्ली, 29 ध्रप्रैल, 1981

आं अ० 399.— यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 294-घाटमपुर निर्वाचन के ले ज़र्न वाले उम्मीदबार श्री उसा शंकर मचान, मो अवाहरनगर, घाटमपुर, कानपुर (उ० प्र०), लांक प्रतिनिधिन्य ग्राश्चित्यम, 1951 तथा तद्शीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित भपने निर्वाचन स्थयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहें है ,

श्रौर यतः, उक्त उम्मीरवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्तःशिकरण नही दिया है श्रीर निर्याचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफनना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीचित्य नही है;

ग्नतः ग्रम्भ, उत्तन ग्रिधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्द्वारा उक्षत श्री उसा णंकर सचान को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देहत योपित करना है।

[#০ ও০ম০/বি০ শ০/294/80(197)]

प्राण्ना० नागर, श्रवर सचिव, भारत निर्माचन श्रासीग

New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 399.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Uma Shankar Sachan, Mohalla-Jawahar Nagar, Ghatampur Kunpur (U. P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 294-Ghatampur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Uma Shanker Sachan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Patliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/294/80 (197)]

By order.

O. N. NAGAR Under Secy.

Election Commission of India

नर्ष दिल्ली, 29 मधील, 1981

अ(०अ० 400.—यन, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 275- कवाये-महसकाल निर्वाचन केले से चुनाव लड़ने याणे उस्मीदवार श्री भोमाले विलास जयसग राव 338/1, प्लाट मं० 3, मोती चौक, सनाली, जिला सनाली (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीविनयम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों हारा श्र्यक्षित रीनि से श्राप्ते निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने से श्रमकल रहे है ,

ग्रीर यतः, उन्त उम्मीदवार ने, सम्यक स्वता दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पर्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कीई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है;

घतः प्रया, उपन प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भोगाले विलास जयसिंग राव को संसद के किसी भी गदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयवा विधान परिषद् के शवस्य चुने जाने ध्रीर होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीम पर्र की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[मं० महा०-बि०म०/275/80(60)]

New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 400.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhosale Vilas Jayasingrao, 338/1, Plot No. 3, Moti Chouk, Sangli, Di-trict Sangli (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 275-Kavathe-Mahankal Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhosole Vilas Javasingtao to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-I  $\Lambda/275/80$  (60)]

नई विल्ली, 30 ग्रप्रैल, 1981

जां० अ०401. —यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 249-कास्वापथ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उस्मीदवार भी गायत द्वान वजनगाय संकार राज, १३ १-पादाणिय पान पुने-३० (मही-राष्ट्र) लाक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम. 1951 तथा तद्धीत बनाए गए विषमी द्वारा प्रपेक्षित प्रपत्ने निविचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करन में प्रमुख्य रहे हैं.

ग्रीर यत, उक्त उम्मीदवार न, सम्यक सूचना दिए जाते पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण ग्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्माचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पान इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है .

श्रत. ग्रब, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 10-क के प्रतृत्यरण में निर्वाचन ग्रायोग एतव्हारा उक्त श्री गायकवाड बयनराव गकरराव का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होते के लिए इस श्रादेश की तारीख में सीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित श्रीपन करता है।

> [म० मद्वा-वि०म०/240/80(61)[ श्रादेण से, धर्मधीर, श्रवर मस्विध, भारत निर्वाचन श्रायोग

New Delhi, the 30th April, 1981

O.N. 401.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gaikwad Babanrao Shankarrao, 754-Sadashiv Peth, Pune-30 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 249-Kasba Peth Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gaikwad Babanrao Shankarrao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or I egislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-I A/249/80 (61)] By order. DHARAM VIR, Under Secy, Flection Commission of India.

केलीय प्रत्यादन शरूक एवं सीमा शरूक समाहती का कार्यालय : मन्दर्ह-2

#### केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

मदुरई, 25 फरवरी, 1981

भा० थ० 402. — केन्द्रीय उत्पादन णुरुक नियम, 1941 के नियम 5 द्वारा प्रदत्त णिनवर्षों का प्रयोग करने हुए, मैं. एतद्द्वारा संलग्न ध्रमुसूची के स्तंभ-3 में उल्लिखिन महुर्ग्ध उत्पादन णुरुक समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पादन णुरुक प्रधिकारियों को प्रपने संबंधित श्रिष्ठकार क्षेत्र में उक्त ध्रमुन्द्रीं के स्तंभ-1 में विभिन्निष्ट समाहर्ता की शिवनयों को उनन ध्रमुन्द्री के स्तंभ-1 में दिए गए णर्न धीर सीमाधों के प्रधीन प्रयोग करने के लिए समाचन करना हूं। यह प्रधिमुचना, विविध नियमों के श्रेनर्गन शुरुक परिहार के लिए लागू होने बाली प्रधिसूचनाओं को छोइकर, समाहर्ता की शिवनयों के श्रन्थान से संबंधित पूर्ववर्षों सभी ग्रिधिसूचनाओं को रह करनी है।

	वेनीय उत्पादन शस्त्र नियम 1941 वे अन्तर्गत स	मण्डर्नानी णक्तियों ते प्रत्यायोजन सेस	प्रशिज्ञ विस्तरण
 केन्द्रीय उत्पादन मृल्क नियम	पस्यामोजिन णक्तिका स्वरूप	श्रश्वितररी जिले प्रत्यायोजित की गई है	परिसीमार्ग
	2		 1
		मधीक्षक	
9(1)	(1) वे स्थान भीर उस में सबधित परिसरों को निर्दिण्ड फरना जहां उत्पाद शुरुक के माल का उत्पादन संसाधन था निर्माण श्रोता है	लाइमेस जारी करने वाला प्राधिकारी ।	
	(।।) चाल् लेखास्त्रोलने वी श्रनुमति ।	ग्रधी <del>श्र</del>	
) ( 1 <del>11</del> )	चालृ लेखा से रकम की निकासी	महायक समाहर्ना	समाहर्ता द्वारा निर्धापिन कार्यीय के स्रधील ।
9मी (3)	सामान्य बन्ध पत्र की स्वीकृति और मितिरेक्त बन्ध पत्न या मितिरक्त प्रतिभृति की मांग	महायन समाहर्ता	
1 2ए (3)(6) भौर (7)	समाहर्ता का समाधान साध्य/सूचना/लेखा पुम्तव धावि मांगने की शक्ति	घटौती स्रनुमोदन के लिए सक्षम ऋधिकारी	
13	बैयक्तिक बन्ध्र पत्न श्री । (प्रतिभृति/प्रतिभृ) की स्वीकृति ग्रीर निर्यात समून से सबक्षित बन्ध्र पत्नों की स्वीकृति	भ्रधीक्षक	
14	सामान्य बन्ध पत्र तथा सबूत निर्यात की स्वीकृत	महायव समाहर्ता	
1 417	निर्मात सब्द न प्रस्तुत किए जाने पर दण्ड कार्रवार्ड	र्थ) 1 बंध पत्र स्वीकार करने वाला प्रधिकारी	
417	(।।) ध्रागे घ्रौर निर्यात करने की धनुमति न देने की शक्ति	'उप समाहर्ता	
	(111) परन्तुक (सी) के अन्तर्गत णक्तिया	बन्ध पद ग्वीकार करने वाला श्रश्चिकारी	
4ৰী (1)	(1) बन्ध पत्र की रकम से 50 प्रतिभाग तक वी अधिक निकासी	महायक समाहर्मा	
	(ii) बन्धापत्र की रकम मे 75 प्रनिशत तक की अधिक निकामी	उप समाहर्ना	
4की (2)	भ्रागे झीर निर्यात इंन्कार करने भी शक्ति	उप-समाहर्ना	
9(3)	प्रतिभूति समप्रहरण वरने की गक्ति	महायक समाहर्ता	
:7(1) :0	लाइसेस जारी करना अन्ध पस और ग्रन्य याती से संबंधित प्रक्तियां प्रारंभिक तील	लाइसेस जारी वरने वाला प्राधिकारी उप समाहर्सा	
38	संसाधन धौर पैंकिंग के बाद श्रिपिंगन माल की गुरक्षा में रखने की सुविधा प्राप्त कराना	व्यापनारम्यः लाङ्मेस असी करने वाला प्राधिकारी	
13	नोटीस की प्राप्ति	लाश्मेस जारी बारने वाला प्राधिकारी	
4	घोषणा पन्न भपेक्षा करने की णिक्त	लाइमेस जारी करने वाला प्राधिकारी	
6	चिक्काँकनो की अपेक्षाकरने की णक्ति	लाइसेस जारी करने वाला प्राधिकारी	
7(1) श्रीर (3)	भाकारकक्ष का श्रनुमोदन/ळूट	लाइसेम जारी करने बाला प्राधिकारी	
8	बन्ध पत्र गर्व प्रतिभृति	लाइसेस जारी क्यमे काला प्राधिकारी	
	धनन्ताव-शन्क्य माल की निकासी की धनुमनि उत्पाद गुन्क निमित उत्पादनों के निस्तिलिखन भामलों के नमने	प्रधीक्षन प्रधीक्षन	
וח	त्रह्मा	भवायार	समाहर्ता के ज्यापार सूचना संद्रः 81/78 ता० 11-4-78 या बो द्वारा निर्धारित कार्यविधि वे ग्रधी
	(1) विद्युत पंक्षे (11) वाइटरी (111) सीमेट (1V) अन ने कपड़े (V) जीनी (VI) विद्युत बस्क का छोड़कर, जब गुल्क प्रदत्त माल, फिर से तैयारी गुद्धि ठीक करवाने या इस प्रवार की किसी भी प्रक्रिया हेतु फैक्टरी को बापस विया जाता है	ঘণ্ডাপ্তৰ	
	2 जब गुरक प्रवत्त माल की निकासी होने के बाद निर्माण- कर्ता के नियत्रण से पर अनदेखा परिस्थितियां जैसे बाहमी का एकाएक कक जाना या वैगना की उपलब्धि नहीं होना श्रादि के कारण माल फैक्टरी से तत्काल मही निकाला जा सकता है।	भ्रधीक्षक	
	अकायक रेल अकिंग ना ध्रावसवन हो जाने के भारण जहा मुल्क प्रदत्त निकामी माल को फैक्टरी मे वापस लाया जाना है।	प्रधीक्षर	

<u> </u>	(2)	(3)	(4
	4 अल शत्त्र पदत्त उत्पाद शृंल्क माल को पैक्टरी मेपरीक्षा रचना श्रश्ययन रचना विधि शादि के तिए लाया जाता है।	प्रवीभन	
	5 नग्ट चीर्नि(निभिन्नेट फैक्टरी मे मुद्धि, पुनसस्वरण द्वित्यादि के लिए नग्दा जाता है।	श्रधीक्षक	
	6 विद्यु शैटरी पखे और विद्युत क्ल्ब, ट्याकर, द्रमृब श्रतर ज्वलनशील इजन, विश्वत मोटर फैक्टरी मे सरम्मत, ठीक करवाने इत्यादि क लिए लाया जाता है।	प्रधीक्षर	
	7 जब शत्य पता माल पुटकर बिकीया बधाई उपहार के अध क्षक रूप में देने के लिए फैक्टरी के परियरों में रखने े निए श्रनमति दी जाती है	अ दिशक	
	8 जब परेपनी ब्रारा तिरस्कृत शृल्क प्रवत्त साल पुन वित- रण या नष्ट माल की नष्ट राशी सीमा पहचानने शीर उस साल के निपटान का निर्धारण के लिए फैक्टरी का बापस नाया जाता है।	प्रघो <i>स</i> मः	
	9 जय मुलः पदत्त माल (छृट दिया गया माल भी जैसे वस्त्रखण्ड चिदी) फैक्टरी मे ही रख लिया गया हो/या बाहर से ग्रन्य माल के निर्माण मे प्रयुक्त करने के लिए या ग्रावण्यक यत्र के रूप मे या माधन सामग्री या ग्रन्य किसी उद्देश्य से, साधारणन जिस माल की प्रयुक्त विया जाता है।	<b>ग्रधीक्ष</b> क	
	II श्रन्य प्रकार के मामले	सहायक समाहर्गी	
52 52∇	निकासी के लिए भावेदन प्रस्तुत करने की समय सीमा मे घटाव गेट पास के निर्धारित फार्म के बदले मे निर्धारिती के पत्नो की स्थीकृति !	महायक समाहर्ता सहायक समाहर्ता	
53	निर्माणकर्ता जिस दिन कार्य व्यवहार्य नहीं करता है उस दिन के लिए ग्रार०जी० 1 से प्रविध्ट नही दिखाने की मनुमति।	मधीक्ष क	
54	मन्य उत्पादों के लिए विवरणी की भपेक्षा करने की गर्क्त	उप सम हर्ता	
<b>6</b> 6ए	ृं(i) निर्माणकर्ताको कार्यविधिकी सुविधा प्राप्त करनेकी अनुमृति देनेकी शक्ति	सहायक समाइचीं	
	(ii) भनुमित को वापस लेना	उप समाहर्ता	
56बी	मनुमिति प्रकाम	सहायक समाहर्ता	
65(3) घौर (4)	न्यास रसीय तथा बन्ध पत्र स्नावि कैंडरोलों की संख्या का निर्धारण	सहायक समाहती	
71(3)	लेबिलो का अनुमोदन	द्मधीक्षक	
75	कार्येव्यवहार समय निर्घारण	सहायक समाहर्ता	
85	भहमात्ती द्वारा सशक्त प्रधिकारी	मुख्य रसायज्ञ/प्रभारी क्षेत्र से संबंधित केन्द्रीय राजस्व नियंज्ञण प्रयोगसाल	निर्धारित भवधि के लिए ग
9 2ए (1)	प्रयम ए०एस०पी० स्वीकार करने की प्रक्ति ⁻	सहायक समाहर्ता	निर्धारित प्रवधि से कम समय के लिए
927(3)	रुकी हुई मवित्र ६त्यादि की माफी या भवसारण	सहायक समाहती	
920(4)	[(i) लाइसेंस नवीकरण की स्वीकृति	<b>ब</b> धीक्षक	
	(11) क्की हुई मबिध इत्यादि की माफी या मबधारण	प्रधीक्षक	पण्डह दिन तक
	शुल्क दायित्व की गणना के ।लए धन्व सर्वाध का निषेध	सहायक समाहती	पन्द्रह विनों से झिधक
9 2वी	कम ग्रवधि के लिए गोटिस की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
<b>9 2वी (</b> 3 ) 9 2सी ( 2 )	साप्ताहिक जमा/घ्राथेदन प्रस्तुत करने मे हुई विलम्ब की माफी	प्रधोक्षक प्रधोक्षक	साप्ताहिक जमा/ग्रावेदन के लिए ो दिन तक मासिक जमा/ग्रावेदम के लिए पांच दिन सका
92 <b>%</b> (iii)	विशेष कार्यविधि की उपलब्धि को रोक्ना	सहायक समाहर्ना उप समाहर्ना	ऊपर उल्लेखत भवधि से भीर मधिक
9 2एप	विशेष कार्यविधि मावेदन प्रस्तुत करने की माफी	उप समाहर्ता	
9 अबी <b>(ग्रंगं)</b>	रापर, बाहर लपेटने के लिए या पर्ची का श्रनुमोदन	प्रधीक्षक	धनुमोदित नमूना सहायक समाह <b>र्ता</b> श्रीर समाहर्ता को भेजना चाहिए

9641			
श्रह्मीची हैं शर्वा शर्हा	ताआस्य बच्च पत्न के पत्न लिए जनुमति और सम्मे बच्च पत्न/मतिरिक्त प्रतिभूति की मांग	तहायक समाहती उप समाहती	निकासी प्रभागीय परिधि में हो ते निकासी प्रभागीय परिधि से बाहर समाहतीलय में हो तो
J. (1)		मधीसक	सभी प्रकार के मामलों में बंध पक्ष की स्वीकृति
96(1)1	ए०एस <b>०</b> पी० की स्त्रीकृति	भवीक्षक	
96-1(2)	कम भवधि के लिए ए०¤स∘पी० की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
96-1(3)	रकी सर्वाद्य की निर्धारणा	सहायक समाहर्ता	
96-1(4)	<ul> <li>(i) कार्म ए०एस०पी० के रूप में लाइसेंस मधीकरण की स्वीकृति</li> </ul>	मधीक्षक 🕽	
( )	(ii) प्रावरण सर्वाध की माफी तबा/या धनवारण	मबीकक महायक समाहर्ता	पण्डह दिनों से स्रधिक न होने पर माफ़ी पण्डह दिनों से स्रधिक होने पर माफ़ी
9 <b>€</b> −के (2)	भावेदन प्रस्तुत करने में विलम्ब की माफ़ी	महीक्षक	निमाही धावेदन के मामले में दो दिल तक धीर वार्षिक धावेदन के मामले में दस दिन तक।
96-एम एम एम एम	विशेष कार्यविधि के लिए माबेदन प्रस्तुत न किए जाने पर माफ़ी	सहायक सभाहर्ता उप समाहर्ता	उक्त सीमाम्रों से परे
96-की (1)	ए०एस०पी० की स्वीकृति	<b>ममीक्ष</b> फ	
98-मो (2)	कम भवधि के लिए ए०एस०पी० की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता]	
96 <del>-</del> को (3)	रकी प्रवधि की प्रवधारणा	सहायक समाहर्ता	
96-मो (4)	<ul> <li>(i) फार्म ए०एस०पी० के रूप में लाइसेंस नवीकरण की स्वीकृति</li> </ul>	प्रधीक्षक	
	(ii) रुकी मवधि की माफ़ी मीर/या भवमारणा	मधीकक	पन्द्रह दिनों से श्रधिक न होने की हालत में माफी।
		सहायक समाहर्ता	पन्त्रह विनों से श्रधिक होने की हालत में माफ़ी।
96-पो (1)	परन्तुक अलग अलग साप्ताहिक धावेदन के लिए अनुमति	सहायक समाहर्ता	
96-मो (2)	म्रावेदन प्रस्तुत करने में अमा करने में हुई विलम्ब की माफ़ी	घधीञ्च क	साप्ताहिक भावेदन जमा के मामले में एक दिन तक भीर मासिक/तिमाही भावेदन जमाभ्रों के मामले में दो दिन तक
		सिहायक समाहती	उपर्युक्त सीमाम्रों से परे ।
9 6—यू	विशेष कार्यविधि के लिए भावेदन प्रस्तुत न किये जाने की माफ़ी	उप समा <b>हत</b> ी	
9 <i>6</i> -मोई(1)	ए०एस०पी० की स् <del>वीक</del> ृति	प्रशीक्षक	
96-भोई(2)	कम ग्रवधि के लिए ए०एस०पी० की स्वीक्वति	सहायक समाहर्ता	
9 <del>0 मो</del> ई(3)	रुकी सर्वधि की सर्वधारणा	सहायक समाहती	
96-मो६(4)	<ul> <li>(i) फार्मे ए०एस०पी० के रूप में नवीकरण ग्रावेदन की स्वीकृति</li> </ul>	प्रधीक्षक	
	<ul><li>(ii) रुकी मर्नाध की माक्षी भौर/या भवधारणा</li></ul>	भधीसक सहायक समाहर्ता	पन्नाह विनों से ब्रिझिक होने पर माफ़ी पन्नाह विनों से ब्रिडिक न होने पर माफ़ी
96—जे <b>ड्</b> (2)	चावेदन प्रस्तुत करने में विलम्ब की   माफ़ी	मधीकक	पांच दिन तक
,,,,,	-	सहायक समाहतीं	ऊपर के परिसीमाधों से व <b>रे</b>
96-जेड् जेड् जेड् जेड्	विशेव कार्यविधि के लिए धावेदन न प्रस्तुत किये जाने की माफ़ी	उप समाहर्ता	
96-जेड्एच (1)	्र ए०एस०पी० की स्वीकृति	<b>भवीक्षक</b>	
96-जेड् ऐच (2)	कम भवधि के लिए ए०एस०पी० की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
96-जेड्एक (3)	रुकी समित की सम्बारणा	सहायक समाहती	
98 – जेड् एच (4)	(i) फार्म ए०एस०पी० के रूप में नबीकरण भावेदन की स्वीकृति	<b>प्रधी</b> क्षक	
	(ii) रुकी अवधि की माफ़ी भीर/या भवश्वारणा	<b>म</b> घीलक	पन्त्रह विनों से ब्रक्षिक न होने पर भाकी
		सहायक समाहर्ता	पन्द्रह विनों से अधिक होने पर माफ़ी
96-जेड् माई (4)	अमा करने की रीति तथा विलम्ब <b>होने की माफ़ी</b>	प्रधीक्षक	पांच दिन तक
		सहायक समाहर्ता	ऊपर की परिसीमाधों से परे
<b>9</b> 6ए एम	विशेष कार्यविधि के लिए न प्रस्तुत करने की माफ़ी	उप समाहती	
<b>97 भी</b> र 9 <i>7</i> ए	<ul><li>(i) प्रतिवाय प्रनुवान तथा समाहर्ता का समाधान</li></ul>	सहायक समाहती	
	<ul><li>(ii) माल वापस करने की भवधि की बढ़ाना</li></ul>	<b>पप समाह</b> ती	
100	समाहर्ता की शुल्क प्रतिदाय शक्ति	सहायक समाहर्ता	
140	<ul> <li>(i) भाडागार की व्यवस्था के लिए लाइसेंस जारी करना भीर नये बन्ध पत्र/प्रतिभृति की मांग।</li> </ul>	लाइसेंस जारी करने वाला प्राधिकारी	
	(ii) लाइसेंस का प्रतिसंहरण भीर माल हटाने के लिए निर्वेक्ष	सहायक समाहर्ता या यदि लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी का पद सहायक समाहर्ती से वरिष्ठ हो।	

(1)	(2)	(3)	(4)
145	तम्बाक् को छोड़कर, माल भांडागरण प्रवधि को बढ़ाने की शक्ति	ब्रघीशक सहायक समाहर्ता	नियम के खण्ड (ए) के भ्रान्तर्गत नियम के खण्ड (बी) के भ्रन्तर्गत
153	बंधपत्राधीन संचलन की अनुमति तथा बंध पन्न की स्वीकृति	निरीक्षक	` ,
154	बंध पक्षाधीन माल संचलन के लिए श्रनुमति देने की शक्ति भीर नये बंध पक्ष/प्रतिभूति मांगने की शक्ति।	मधीक्षक	
164	(i) वैयक्तिक बंध पक्ष का निष्पादन	ग्रधीक्षक	
	(ii) सामान्य बंध पक्ष का निष्पादन तथा नये बंध पक्ष प्रतिभृति/ प्रतिभूकी मांग ।	महायक समाहती	
165(2)	पेशगी की मांग	मधीक्षक	
169	भांडारी की नियुक्ति	उप समाहर्ता	
. 73( 1ए)	चालू लेखा से रकम बापस लेने की घतुमति	सहायक समाहर्ता	समाहर्ता द्वारा निर्धारित कार्यविधि के पालनाधीन ।
.73सी (ii)	निर्धारित को गेड पास में दर भौर शुल्क रकम न बताने की स्रमुमति वेने की शक्ति ।	उप समाहर्ता	
।73(ए <b>ल) धौ</b> र	<ul><li>(i) माल वापस करने की भवधि को बढ़ाने की शक्ति</li></ul>	उप समाहर्ता	
एम)	(ii) समाहर्ता की धन्य शक्तियां	सहायक समाहती	संज्ञमन से संबंधित रियायत समाहर्ता की स्वीकृति से हैं।
। 73 (एन) ( 5)	गन्ध पस की मर्तें	<b>प्रधीक्ष</b> क	
। 73 (एन) (6)	पुनः भांडागरण प्रमाण-पन्न के समय को बढ़ाने की शक्ति	उप समाहर्ता	
73(घो)(1)	(i) चिह्न निर्धारण करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
	(ii) उचित ग्रधिकारी को कम समय में पैकेओं का प्रस्तुतीकरण		
180	लाइसेंस का परिवर्तन या प्रतिस्थापन	लाइसेंस जारी करने वाला प्राधिकारी	
.85	<ul><li>(i) किसी अन्य विद्या में विषणन करने की अनुमति देने की शक्ति</li></ul>	सहायक समाहर्ता	
	<ul><li>(ii) पैकेजों के प्रस्तुतीकरण के लिए कम ग्रवधि निर्घारण करने की समाहर्ताकी गक्ति।</li></ul>	<b>धधीक्षक</b>	
189 189ए } 189मी }	प्रतिदाय मंजूर करने की शक्ति	सहायक समाहताँ	
91	(i) फार्मुला धनुमोदन तथा रियायती वापसी (ii) स्थापना व्यय निर्घारण तथा रियायत धस्वीकृति को	उप समाहर्ता सहायक समाहर्ता	
	छोड़कर समाहर्ता की भन्य शक्तियां ।		
. 9 1ए	तीन महीनों से परे समय बिस्तार (उप-नियम 7) प्रतिभूति का सभपहरण (उप-नियम 12) फार्मुला भनुमोदन ।	उप समाहर्ता	
	उप नियम 7ए मीर 16 के भन्तर्गत की गई शक्तियों तथा रियायत	सहायक समाहर्ता	
	भस्तीकृति को छोड़कर समाहर्ता की ग्रन्य शक्तिया।		
. 9 1 मी	(i) रही का नष्ट/शुल्क की भस्वीकृति तथा परिहार	244	
	<ul> <li>(ii) फार्म्ला भ्रनुमोदन</li> <li>(iii) उप नियम (4ए) के भ्रन्तर्गत दो गई मक्तियां, रियायत</li> </ul>	उप समाहर्ला सहायक समाहर्ता	
	भ्रस्तीकृति तथा स्थापना व्यय को छोड़कर ग्रन्थ सभी शक्तिया।		
92	(i) धनुमति धनुवान गक्ति	परिहार घधिसूचना में उल्लिखित घधिकारी।	
	<ul><li>(ii) लाइसेंस जारी करना, तथा बंध पत्न का रकम निर्धारण और प्रनिभूति की शक्ति।</li></ul>	लाइसेंस जारी करने धाला प्राधिकारी	
193	पैकिंग का खंग	सहायक भमाहर्ता	
196	(i) रियायत नापमी	उप समाहर्सा	
	(ii) प्रतिभूति समपहरण तथा भ्रन्य वण्ड कार्रवाई	न्याय निर्णयन के लिए सक्षम भ्रधिकारी	
206(3)	<ul><li>(i) बंध पक्त भौर प्रतिभूति पर मिभगृहीत वाहनों का मनंतिम विमोचन ।</li></ul>	सहायक ममाहर्ता या सहायक समाहर्ता के पद से निम्न श्रेणी वाला न्याय निर्णायन ग्रीधकारी।	
	<ul><li>(ii) बंध पत्र और प्रतिभूति पर अभिगृहीत माल का अनंतिम विमोचन ।</li></ul>	न्याय निर्णयन प्रधिकारी	
210ए		उप समाहर्गी	मूल्बप्रसीमित हरेक भामले में ६० 15,000 से न भश्चिक प्रशमित णुल्क।

		सहायक समाहर्ता म	मूल्य ए०	5,000 प्रशमित शुल्क रु०	750
				मूल्य रु० 1,000 प्रशमित	शुल्क
		प्रधीक्षक		₹0250	
212	(i) जब्द माल की बिकी	सहायक समाहर्ता या न्याय निर्णाय स्रक्षिकारी यदि सहायक समाहर्ता व			
		नीचे के पद में हो।			
	(ii) जब्त माल को नष्ट करना	अपलेखन/परिहार मृत्य/माल का शुल्य के लिए सक्षम अधिकारी ।	<b>ক</b>		
2 1 2ए	गोवाम भाड़े का भुगतान	न्याय निर्णयन श्रधिकारी			
222	भवे योषणा पक्ष की घ्रपेक्षा करने की शक्ति	उप समाहर्ता			
2 2 3 T	माल का धार्धिक हिसाब किताब	सहायक समाहर्ता			
224(1)	निर्धारित समय के बाद तथा छुट्टी के दिनों में माल की सुपूर्वनी के लिय अनुभति	घधीक्षक			
227	मापसान, तौल, सौल मशीन भावि की व्यवस्था	सहायक समाहर्ता			
229	(i) कार्यालय मावास की भपेक्षा करने की शक्ति	सहायक समाष्ट्रती			
	(ii) गृह भावास की भपेक्षा करने की शक्ति	उप समाहर्ता			
230	माल, प्लांट भौर मशीनरी भादि का श्रवरोध	सहायक समाहर्ला			

[सी॰ स॰ IV/16/190/79-के॰ उ॰ गु॰-2]

# THE MADURAI CENTRAL EXCISE COLLCTORATE MADURAI-2.

#### CENTRAL EXCISE

Madurai, the 25th February, 1981

O.N. 4021|81.—In exercise of the powers conferred on me by rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby empower

the Central Excise Officers of the Madurai Central Excise Collectorate mentioned in column 3 of the Scheduled attached, to exercise within their respective jurisdiction, the powers of the Collecor under the rules specified in column 1 of the said schedule subject to the conditions and limitations set out in column 4 thereof. This notification caucels all previous notification on delegation of powers of the Collector, excepting those applicable for remission of duties under the various rules.

Statement showing Delegation of Collector's Powers under Central Excise Rules, 1944

Central Excise Rules	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitations
	2		4
3 9(1)	Approval of authorised person/agent  (i) Specifying places where excisable goods are produced, cured or manufactured and premises appurtenant thetreto.	Superintendent Licensing authority	
	(ii) Permission to open account current	Superintendent	
9(1A)	Withdrawal of amount from account current.	Assistant Collector	Subject to procedure prescri- bed by the Collector.
9B(3)	Acceptance of general bond and demand for additional bond or additional secrurity.	Asstt. Collector.	
12A(3), (6) & (7)	Satisfaction of Collector Power to call for evidence/information/books of account etc.	Officer competent to grantebate.	nt
13	Acceptance of individual bond 8.1 (Security/Surety) and acceptance of proof of export in respect of such bond.		
14	Acceptance of general bond and proof of export.	Asst. Collector.	
14A.	Penal action for failure to produce proof of export.	Officer accepting B.1, bond	
14A	<ul> <li>(ii) Power to refuse permission to make further export</li> </ul>	Deputy Collector	
	(iii) Powers under proviso (C)	Officer accepting the bond.	
14B(1)	(i) Over-drawal upto 50% of the bond amount	d Asst. collector,	
	<ul><li>(ii) Over-drawal upto 75% of the bond amount.</li></ul>	Dy. Collector.	

1	2	3	4
14B(2)	Power to refuse further export	Dy. Collector.	
18(3)	Power to forfeit security	Asst. Collector	
27(1)	Powers regarding licensing, bonds and other conditions.	Licensing authority.	
30	Preliminary weighment	Deputy Collector.	
38	Securing accommodation for u manufa-	Licensing authority.	
30	ctured products after curng and packing	Endertoling during the	
43	Receipt of notice	Licensing authority.	
44	Power to require declaration	Licensing authority.	
46	Power to require marking	Licensing authority.	
47(1) & (3)	ExeWStion for/approval of storeroom	Licensing authority.	
48	Bond and security	Licensing authority.	
50	Permission to remove non-excisable goods.  I. 1. When duty paid goods except (i)	Superintendent. Superintendent	
51A.I	Electric Fans (ii) Batterles (iii) Cement (iv) Woollen febrics (v) Sugar (vi) Electric bulbs are returned to the factory for being remade, refined, reconditioned or subjected to any similar process in the factory.  2. When after clearance on payment of duty, the goods cannot immediately be removed from the factory due to unforeseen circumstances beyond the manufacturer's control like su- dden breakdown of the carriers or non-availability of wagon etc.  3. Where goods cleared on payment of duty are brought back into the fa- ctory due to sudden suspension of booking on Railways.  4. When duty paid excisable goods are brought into the factory for test, studying designs, method of cons- truction etc.  5. Damaged sugar/Cement brought back to the factory for refining, re- processining etc.  6. Electric batteries, Fans and Electric bulbs, tyres, tubes, internal combu- sion Engines, Electric motors brought into the factory for repair, reconditioning etc.  7. When duty paid goods are allowed to be stored in the factory premises for retailsale or issue as complimen- tary gifts.  8. When duty paid goods refused by the consignee are returned to the factory for redistribution or damaged goods are brought back into the factory to ascertain the extent of		Subject to the procedure prescribed by the Collector in Trade Notice No. 81/78, dt. 11-4-78 or by the board.
	damage and to decide the disposal of such goods.		
	9. When duty paid goods (including ex-		
	empted goods like rags, chindies		
	etc.) are retained in/or brought into		
	the factory from outside for use in		
	the manufacture of other goods or		
	for use as fitting or equipment or		
	for any other purpose for which		
	such are normally consumed.	Asst. Collector.	
	<ul><li>II. Other Type of cases.</li><li>Reduction in time limit for putting in appli-</li></ul>		
52			

		3	4
1	Acceptance of assessee's documents in		
2 <b>A</b>	heu of gate pass in prescribed form		
53	Permission to manufacturer not to make entries in R G. 1 on dates when there is	Superintendent	
54	not transaction.  Power to require return for other products	Dv. Collector	
56A	(i) Power to permit a manufacturer to		
- CO - C	avail of the procedure. (11) Withdrawal of permission.	Dy. Collector.	
56B	Grant of permission	Asst. Collector	
65(3) & (4)		Asst Collector	
71(3)	Approval of labels	Superintendent	
75	Prescribing hours for transaction	Asst. Collector	
85	Officer to be empowered by the Collector	Chief Chemist/Incharge Central Revenue Control Laboratory respective areas.	For the prescribed period
92A	Power to accept first ASP.	Asst. Collector	For a period less than the prescribed one
92A(3)	To condone or determine the period of preclusion etc.	Assistant Collector.	
92A(4)	(i) Acceptance of renewal application	Superintendent.	
)	(ii) To condone or determine the period of preclusion etc.	Superintendent.	Upto 15 days
	•	Asst. Collector.	Beyond 15 days
92B	Exclusion of the period of clouser for pur- poses of computing duty liability.	Asst. Collector.	
92B(3)	Accepting notice for shorter period	Superintendent	
92C(2)	To condone delay in weekly deposits/sub- mission of applications.	<del>-</del>	Upto 2 days in respect of weekly deposits/application. Upto 5 days in respect of monthly deposit/application.
		Asst. Collector.	Beyond the period mentioned above.
92E(iii) 92F	To debar availing of special prodeedure To condone failure to apply for Special procedure.	Deputy Collector. Deputy Collector	
93(b)(iii)	Approval of wapper, outer covering or labels	Superintendent	Approved specimen to be sen to Asst. Collector and Collector.
96D	Permission for general bond and demands		I case of removal within th
96-DD \\ 96-E \\ 66-E \\	for/fresh bond/additional security.	Deputy Collector	division.  In case of removal outside the division/Collectorate
96-EE J		Superintendent	Acceptance of bond in a
96-I(1)	To accept A.S.P.	Superintendent	
96-I(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asst. Collector.	
96(I)(3)	To determine period of preclusion.	Asst. Collector	
96-(I)(4)	<ul> <li>(i) To accept renewal application in form A.S.P.</li> </ul>	n Superintendent.	
	<ul><li>(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.</li></ul>	Superintendent.	For condoning delay not e coeding 15 days
		Asst Collector	For condoning dolay exceedi 15 days.
96 <b>-K</b> (2)	To condone delay in making the applica tion	- Superintendent	Upto two days in case of qua orly application and 10 day in case of an aux l application
96-MMMM	To condone failure to apply for specia	al Deputy Collector	
	prodeedure.	Cumpulmanda=4	
96-O(1)	To accept A S.P.	Superintendent.	

<u> </u>	2	3	
96-O(2)	To accept A.S.P. for shorter period.	Assistant Collector.	
96-O(3)	To determine period of preclusion.	Asst. Collector	
96-O(4)	<ul><li>(i) To accept renewal application in form A.S.P.</li></ul>	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent	
		Asst. Collector*	For condoning delay not exceeding 15 days.
96-O(1) Proviso	To permit separate weekly application.	Asst. Collector.	
96-O(2)	To condone delay in making application/ deposit.	Superintendent	Upto one day in case of weekly application deposit and- two days in case of monthly/ quarterly application/deposits.
96-U	7.7	Asst. Collector	Beyond above limits.
0 d = 274 h	procedure.	Deputy Collector.	
96-Y(1)	To accept A.S.OP.  To accept A.S.P. for shorter period.	Superintendent	
96-Y(2)		Asst. Collector. Asst. Collector.	
96-Y(3) 96-Y(4)	To determine period of preclusion.  (i) to accept renewal application in form  A.S.P.	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the pariod of preclusion.	Superintendent.	For condoning delay not exceeding 15 days.
		Asst. Collector	For condoning delay exceeding 15 days.  For condoning delay not exceeding 15 days.
96- <b>Z</b> (2)	To condone delay in making application	Superintendent Assistant Collector	Upto 15 days. Beyond above Limits.
96-ZZZZ	To condone failure to apply for special procedure.	Deputy Collector.	
96-ZH(1)	To accept A.S.P.	Suprintendent.	
96-ZH(2)	to accept A.S.O. for shorter period.	Asst. Collector.	
96-ZH(3) 96-ZH(4)	To determine period of preclusion.  (i) to accept renewal application in form  A.S.P.	Asst. Collector. Superintendent	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent.	For condoning delay not ex- ceeding 15 days.
		Asst. Collector.	For condoning delay exceeding 15 days.
96-ZI(4)	To condone manner of and delay in making patment.	Superintendent.	Upto 15 days.
		Asst. Collector	Beyond above limits.
96-AM	To condone failure to apply for special procedure.		
97 & 97-A	(i) Grant of refund and satisfaction of Collector.		
	(ii) Extension of period for return of the goods.		
100 140	Collector's power to refund duty  (i) Licensing to provide warehousing and demand for a fresh bond/Security.	Asst. Collector. Licensing Authority.	
	<ul><li>(ii) Revocation of license and direction for removal of goods.</li></ul>	Asst. Collector	
	•	Licensing Officer if he is senic in rank to the Asst. Collector	
145	Power to extend warehousing period of goods other than tobacco.	Superintendent. Asst. Collector.	Under clause (A) of the rule Under clause (b) of the rule
153	Power to allow-in-bond movement and acceptance of bond.	Inspector.	( ) (v 1416
154	Power to allow in bond movement of goods acceptance of bond and demand for fresh bond/securit	Superintendent.	
164	(i) Execution of individual bond.	Superintendent.	

1	2	3	4
	(ii) Execution of general bond and demand for fresh bond security/surety.	Asst. Collector.	
165(2)	Demand for advance payments.	Superintendent,	
169	Appointment of warehouse-keeper	Deputy Collector,	
173(1A)	Permission to withdraw amount from account current.		Subject to abservance of the procedure prescribed by the Collector,
73(C)(ii)	Power to permit assessee not to show rate and amount of duty on gate pass.		
173(L)&(M)	(i) Power to extend the period for return of goods.		
	(ii) Collector's other powers.	Asst, Collector	Relaxation regarding storage be granted by the Collector.
173(N)(5) 173(N)(6)	Conditions of bond.  Power to extend time for rewarchousing certificate.	Superintendent Deputy Collector.	
173(O)(1)	<ul><li>(i) Power to prescribe marks.</li><li>(ii) Presentation of packages to proper officer within shorter period.</li></ul>	Asst. Collector. Superintendent.	
180 185	Alteration or substitution of licence.  (i) Power to permit marketing in any other manner.	Licensing authority. Asst. Collector	
	<ul><li>(ii) Collector's power to prescribe shorter period of presentation of packages.</li></ul>	Superintendent.	
189 189A }	Power to sanction refund.	Asst. Collector.	
89-B { 191 }	<ul> <li>(i) Approval of formula and withdrawal of concession.</li> </ul>	Deputy Collector.	
	(ii) Other powers of the Collector except power to fix establishment cost and refuse concession.	Asst. Collector.	
191-A	Extension of time beyond three months (Sub-rule) (7). Forfeiture of security [Sub-rule (12)] Approval of for mula.	Deputy Collector.	
	Other powers of the Collector except powers under sub-rule (7A) & (16) and refusal of concession.	Asst. Collector.	
91-B	<ul> <li>(i) Destruction of waste/refuse and remi- ssion of duty.</li> </ul>	Deputy Collector	
	(ii) Approval of formula.	Deputy Collector	
	(iii) All other powers except powers under sub-rule (4A), refusal of concession and establishment cost.		
192	(i) Power to grant permission	Officer mentioned in the remi- ssion notification.	
	(ii) Power to issue licence, and fixing bond amount and security.		
193	Manner of packing.	Asst. Collector.	
196	<ul><li>(i) Withdrawal of concession.</li><li>(ii) Forfeiture of security and other penal action.</li></ul>	Deputy Collector Officer competent to adjudicate	
206(3)		Asst. Collector or the adjudica- ting officer lower in rank to the Asst. Collector.	
	(ii) Provisional release of seized goods on bond and security.		
210-A	Power to compound an offence and fix compounding fee.	(i) Deputy Collector.	Value-without limit compo- unding fee-not exceeding Rs. 1500/- in each case.
		(ii) Asst. Collector	Value—Rs. 5,000/- Compound fee Rs. 750/
		(iii) Superintendent	Value Rs. 1000/- compounding fee Rs. 250/

1	2	3	4
212	(i) Sale of confiscated goods	Assistant Collector or the adjudicating officer if lower in rank to the Asst. Collr.	
	(ii) Destruction of confiscated goods.	Officer competent to write off/ remission value/duty of the goods.	
212-A	Payment of storage charges.	Adjudicating officer.	
222	Power to require a new declaration.	Deputy Collector	
223-A	Annual stock taking.	Asst. Collector	
224(1)	Permission to deliver goods beyond fixed hours and on holidays.	Superintendent	
227	Provision for scales, weights and weighing machines etc.	Asst. Collector	
229	(i) Power to require office accommodation.	Asst. Collector	
	(ii) Power to require residential accommodation.	Deputy Collector	
230	Detention of goods, plants and machinery etc.	Asst. Collector	

[C. No. IV/16/190/79-CX.2]

# मदुरई, 24 मार्च, 1981 कोग्रीम उत्शादन शहरू

आ० अ० — 403/2/8 किन्द्रीय उत्पादन गुल्क नियम, 1944 के नियम 5 के अंतर्गत प्रवत्त प्रावित्तयों का प्रयोग करने हुए, मैं, प्रार० जयरामन, समाहती, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, मनुरई, प्रभागीय महायक समाहतीओं की अपने संबंधित प्रक्षिकार क्षेत्र में केन्द्रीय उत्पादन गुल्क नियम 1944 के नियम 56-सी के अंतर्गत प्राथमिक निर्माणकर्ता की उक्त नियम में निर्धारित प्रायंविधि को उपयोग में लाते के लिए प्रमुमित अवान करने की समाहती की प्रवित्तयों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करना हूं।

[फाइल सी० सं० V/68/30/22/81/कि० उ० गु०-2] ब्रार० अयरामन, समाहर्ना

# Madurai, the 24th March, 1981. CENTRAL EXCISE

O.N. 403|2|81.—In exercise of the powers conferred upon me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I. R. Jayaraman, collector of Central Excise, Madhurai authorises, Assistant Collectors of Central Excise incharge of Division to exercise within their respective jurisdiction the powers of the Collector under Rule 56-C of Central Excise Rules, 1944 for granting permission to a primary manufacturer to avail of the procedure laid down in the above rule.

[File C. No. V|68|30|22|81 CX. 2] R. JAYARAMAN, Collector